राठी	–	बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर, चुरु
मालवी	–	झालावाड़, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़
मेवाती	–	अलवर, भरतपुर

1892.राजस्थान के किस जिले में राज्य सरकार सबसे अधिक पशु मेलों का आयोजन करती है -

(a) बाड़मेर (b) बीकानेर

(c) अजमेर (d) नागौर

उत्तर - (d) **RPSC RAS/RTS-1992**

व्याख्या-राजस्थान राज्य सरकार द्वारा राज्य के नागौर जिले में सर्वाधिक पशु मेलों का आयोजन किया जाता है। नागौर जिले में आयोजित प्रमुख पशु मेले तेजाजी पशु मेला, रामदेव पशुमेला तथा बलदेव पशु मेला आदि हैं। बाड़मेर में मल्लीनाथ पशुमेला तथा अजमेर में पुष्कर पशुमेला लगता है।

1893.राजस्थान में राईका है–

(a) परम्परागत घोड़े पालन-पोषण कर्त्ता

(b) परम्परागत ऊंट पालन-पोषण कर्ता

(c) गांव से गांव माल बेचते थे

(d) नामक व्यापारी है

उत्तर – (b)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या- 'राईका' परम्परागत ऊँट पालन-पोषण कर्ता है जो राजस्थान एवं गुजरात में पाये जाते हैं।

1894.पशु गणना 2003 के अनुसार राजस्थान में पशु घनत्व एवं सबसे अधिक पशु घनत्व वाला जिला है –

(a) 144 एवं डूंगरपुर (b) 150 एवं बाड़मेर

(c) 160 एवं बीकानेर (d) 165 एवं भरतपुर

उत्तर : (a)

RPSC RAS/RTS 2009

व्याख्या – पशु गणना 2003 के अनुसार राजस्थान में पशु घनत्व 144 के साथ डूंगरपुर प्रथम स्थान पर था। 20वीं पशु जनगणना के अनुसार राजस्थान में पशु घनत्व 166 तथा सबसे अधिक पशु घनत्व वाला जिला दौसा है।

1895. पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार के नस्ल सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत ली गई, जखराना, सिरोही एवं मारवाड़ी नस्ले संबंधित हैं –

(a) गायों से (b) ऊँटों से

(c) बकरियों से (d) भेड़ों से

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2013

व्याख्या –पशुओं की नस्लें इस प्रकार हैं –

गाय – गीर, नागौरी, थारपारकर, हरियाणवी राठी

भैंस – मुर्रा, मेहसाना, जफराबादी, सूरती

भेंड़ – भगरा, जैसलमेरी, मारवाड़ी, चौकला मालपुरी

बकरी – जमनापारी, परबतसर, बरबरी, सिरोही, मारवाड़ी, जखराना।

(xix) राजस्थान में सूखा एवं अकाल (आपदा)

1896. राजस्थान की बांका-पट्टी किस समस्या से ग्रसित है?

(a) चूना-पत्थर की

(b) सूखा और अकाल की

(c) फ्लोराइड की

(d) वायु प्रदूषण की

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (c) : राजस्थान का बांका पट्टी क्षेत्र फ्लोराइड की समस्या से ग्रसित है। यह क्षेत्र नागौर जिले में पड़ता है। इस क्षेत्र में पानी में फ्लोराइड की अधिकता निवासियों के बीच कुबड़ का कारण बनती है जिसके कारण इस क्षेत्र को 'कूबड़पट्टी क्षेत्र' भी कहा जाता है।

1897. राजस्थान में संचालित सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डी.पी.ए.पी.) की वित्तीय व्यवस्था के लिए केन्द्र एवं राज्य का हिस्सा कितना रखा गया है?

(a) 50:50

(b) 60:40

(c) 75:25

(d) 90:10

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (c) : सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (dpap) वर्ष 1973-74 में 13 राज्यों के 96 जिलों के 627 ब्लॉक में शुरू किया गया था। वर्ष 2005-2006 तक 65.74 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सूखे से बचाया गया है। राजस्थान में संचालित सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम की वित्तीय व्यवस्था के लिए केन्द्र राज्य का हिस्सा 75:25 है।

1898. मौसम विज्ञान के अनुसार सामान्य वर्षा से 51% व अधिक वर्षा में कमी होने पर ..... सूखा कहते हैं।

(a) सामान्य (b) भयंकर

(c) मध्यम (d) नहीं

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (b) : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार किसी क्षेत्र में मौसम संबंधी सूखा उस स्थिति के रूप में परिभाषित की जाती है जब क्षेत्र में प्राप्त मौसमी वर्षा इसके दीर्घकालिक औसत से 75 फीसदी से कम होती है। यदि वर्षा की कमी 26 से 50 फीसदी होती है तो मध्यम सूखे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जब बारिश सामान्य से 50 फीसदी से अधिक कम हो जाती है तो उसे 'गंभीर सूखे' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

1899. वर्ष 2002–2003 में राजस्थान में कितने जिले सूखे से प्रभावित थे?

(a) 30 (b) 31

(c) 32 (d) 33

कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022

Ans. (c) : वर्ष 2002–03 में राज्य के कुल 32 जिले सूखे से प्रभावित रहे। इस दौरान राज्य में केवल 220.4 मिमी. वर्षा हुई।